**उज्जैन।** क्या आप पैसों की परेशानियों का सामना कर रहे है? क्या आपको अपनी मेहनत का उचित प्रतिफल प्राप्त नहीं हो पा रहा है? क्या आपके घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि नहीं है? क्या आपकी कुंडली में कोई ग्रह दोष है? यदि हां तो यहां आपके लिए 81 लक्ष्मी उपाय बताए जा रहे हैं। इन उपायों से आपके जीवन की सभी परेशानियां समाप्त हो जाएंगी।

यहां बताए जा रहे सभी उपाय दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में किए जा सकते हैं। इसके साथ ही यह सभी उपाय सभी राशि के लोगों द्वारा आसानी से किए जा सकते हैं।यदि आप चाहे तो इन उपायों में से कई उपाय भी कर सकते हैं या कोई एक उपाय भी किया जा सकता है।

मानते हैं कि लक्ष्मी पूजन में एकाक्षी नारियल या समुद्री नारियल की पूजा करने एवं व्यवसाय स्थल पर इसे रखने से घाटा नहीं होगा एवं समृद्धि आएगी।

- कमलगट्टे की माला से दीपावली की रात्रि में या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में अनुष्ठान करें तथा यह माला तिजोरी या पूजा स्थान में रखना अत्यन्त शुभ समझा जाता है।

- लक्ष्मी, भगवान नारायण की पत्नी हैं और नारायण को अत्यंत प्रिय भी हैं। उनकी उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुई है। शंख, मोती, सीप, कौड़ी भी समुद्र से प्राप्त होने के कारण नारायण को प्रिय हैं। अत: लक्ष्मी पूजन में समुद्र से प्राप्त वस्तुओं का उपयोग अधिक किया जाता है।

मान्यता है कि पूजन के बाद इन चीज़ों को धन स्थान पर स्थापित करने से धन वृद्धि होती है।

दीपावली पर या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में प्रमुख द्वार पर लक्ष्मी के गृहप्रवेश करते हुए चरण स्थापित किए जाते हैं।

- श्रीयंत्र, कनकधारा यंत्र, कुबेर यंत्र को सिद्ध करा कर पूजा स्थान/तिजोरी में रखा जाता है।

महालक्ष्मी के अष्ट स्वरूप माने गए हैं- धनलक्ष्मी या वैभवलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, अधिलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी, ऐश्वर्य लक्ष्मी, वीर लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी। जिस भक्त को जिस रूप की अभिलाषा होती है, वह उसी रूप की आराधना करता है।

दक्षिणावर्ती शंख के पूजन व स्थापना से भी धनागमन और सुख प्राप्ति का लोकविश्वास है।

- लक्ष्मी के साथ 51 कौडिय़ों की पूजा कर उन्हें पूजास्थल, तिजोरी एवं व्यवसाय स्थल पर रखना शुभ-समृद्धि दायक माना जाता है।

एक नियम हर रोज के लिए बना लें। आपके घर में जब भी खाना बने तो उसमें से सबसे पहली रोटी गाय को खिलाएं।

घर में लक्ष्मी को आमंत्रित करने के साथ ही उन्हें सहेज कर रखने के जतन करना भी महत्वपूर्ण है। इसलिए, नकदी और गहने-जेवरात की अलमारियां दक्षिण या पश्चिम की दीवारों पर हों और उत्तर या पूर्व की ओर खुलें। ख्याल रहे, इन अलमारियों पर दर्पण न लगा हो।

- कहते हैं, धनतेरस को भोजपत्र पर श्रीयंत्र बनाने के बाद दीपावली के दिन या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में इसे सिद्ध कर तिजोरी में स्थापित करने से तिजोरी कभी खाली नहीं होती।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में पारद शिवलिंग की स्थापना व पारद गणेश की आराधना समृद्धि देती है।

- पारद लक्ष्मी की आराधना को भी ऐश्वर्य दायक कहा गया है।

स्फटिक श्रीयंत्र व स्फटिक माला का उपयोग/स्थापना भी की जाती है। माला सिद्धि के बाद उससे लक्ष्मी मंत्र जाप एवं कनकधारा स्तोत्र अनुष्ठान किया जा सकता है।

- दीपावली पर या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में रामरक्षा स्तोत्र का पाठ व अनुष्ठान करने से सफलता एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- ऐसी पूजा गुप्त रखनी चाहिए, इसका बखान नहीं करना चाहिए।
सर्वपितृ अमावस को पितर वापस नहीं जाते हैं, वे धरती पर ही रहते हैं। वे लौटते हैं दिवाली की रात में। चूंकि पितरों को जाने के लिए मार्ग पर प्रकाश की आवश्यकता होती है, अत: इस रात दीपों की पंक्तियां लगाकर पितरों के वापसी का मार्ग प्रकाशित किया जाता है। इससे यम प्रसन्न होते हैं और पितरों की कृपा भी मिलती है।
कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया यम और उनकी बहन यमुना से ही सीधे जुड़ी है, जो आगे चलकर भाई-बहन से संबद्ध हो गई। यम और यमुना की कथा हमें बताती है कि हम चाहे जितने भी महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त हों, हमें अपने प्रियजनों से मेल-मिलाप के लिए समय निकालना ही चाहिए और हमेशा उनके कल्याण की कामना करनी चाहिए। यही इस पर्व का शुभ संदेश है।
किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन करते समय हकीक की पूजा भी करनी चाहिए। पूजन के बाद हकीक को धारण करने से धन की वृद्धि होती है। हकीक बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाता है।
गणेशजी ऋद्धि और सिद्धि के स्वामी हैं और महालक्ष्मी धन की देवी हैं। अत: इन दोनों का संयुक्त यंत्र पूजन में रखने से श्रीगणेश के साथ ही लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती है।
दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में सुबह गन्ने की जड़ लेकर आएं। इसके बाद रात्रि में लक्ष्मी पूजन करें तब गन्ने की इस जड़ की भी पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने पर धन लाभ होता है।
दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में पति-पत्नी सुबह-सुबह लक्ष्मी-विष्णु मंदिर जाएं और वहां देवी लक्ष्मी को वस्त्र आदि अर्पित करें। इससे पति-पत्नी को जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन के समय कमल के पुष्प अर्पित करें और कमल गट्टे की माला से लक्ष्मी मंत्र ऊँ महालक्ष्मयै नम: का जप करें। इससे देवी लक्ष्मी की प्रसन्नता प्राप्त होती है।
दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी के साथ ही अशोक के वृक्ष की जड़ का पूजन भी करना चाहिए। इससे धन-संपत्ति में वृद्धि होती है।
दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में सुबह जल्दी उठें और तांबे के लोटे में जल लें और उसमें लाल मिर्ची के बीज डालकर सूर्य को अर्पित करें। इस उपाय से आपको मनचाहे स्थान पर प्रमोशन और ट्रांसफर मिलेगा। यह उपाय नियमित रूप से करना चाहिए।
दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में किसी ऐसे शिव मंदिर में जाएं जो श्मशान में स्थित हो। उस मंदिर में शिवलिंग पर दूध, जल आदि अर्पित करें। दीपक लगाएं। इस उपाय स्थाई लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में सुबह जल्दी उठें और नित्य कर्मों से निवृत्त होकर तुलसी के पत्तों की माला बनाएं और इसे महालक्ष्मी को अर्पित करें। ऐसा करने से धन में वृद्धि होगी।

दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में हल्दी की 11 गांठ लेकर आएं और रात में लक्ष्मी के साथ ही इनकी भी पूजा करें। इसके बाद पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें। पूजन के समय लक्ष्मी और श्रीगणेश के संयुक्त फोटो की पूजा करनी चाहिए।

दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में किसी मंदिर में एक सुपारी और तांबे का लोटा रख आएं। इसके साथ ही कुछ दक्षिणा भी रखें। इस उपाय से भी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है।

अमावस्या तिथि पर पीपल के वृक्ष को जल अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने पर शनि के दोष और कालसर्प दोष समाप्त हो जाते हैं।

-ज्योतिष और सभी धर्म शास्त्रों के अनुसार एक पीपल का पौधा लगाने वाले व्यक्ति को जीवन में किसी भी प्रकार को कोई दुख नहीं सताता है। उस इंसान को कभी भी पैसों की कमी नहीं रहती है। पीपल का पौधा लगाने के बाद उसे नियमित रूप से जल अर्पित करना चाहिए। जैसे-जैसे यह वृक्ष बड़ा होगा आपके घर-परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ती जाएगी, धन बढ़ता जाएगा। पीपल के बड़े होने तक इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए तभी आश्चर्यजनक लाभ प्राप्त होंगे।

दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में झाड़ू अवश्य खरीदना चाहिए। पूरे घर की सफाई नई झाड़ू से करें।

- आंकड़े के गणेशजी की पूजा व स्थापना से सम्पन्नता का आशीष मिलता है।

लक्ष्मी पूजन में सुपारी रखें। सुपारी पर लाल धागा लपेटकर अक्षत, कुमकुम, पुष्प आदि पूजन सामग्री से पूजा करें और पूजन के बाद इस सुपारी को तिजोरी में रखें।

दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजा करते समय एक बड़ा घी का दीपक जलाएं, जिसमें नौ बत्तियां लगाई जा सके। सभी 9 बत्तियां जलाएं और लक्ष्मी पूजा करें।

दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में तेल का दीपक जलाएं और दीपक में एक लौंग डालकर हनुमानजी की आरती करें। किसी मंदिर हनुमान मंदिर जाकर ऐसा दीपक भी लगा सकते हैं।

दीपावली या किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में तेल का दीपक जलाएं और दीपक में एक लौंग डालकर हनुमानजी की आरती करें। किसी मंदिर हनुमान मंदिर जाकर ऐसा दीपक भी लगा सकते हैं।

किसी में मंदिर झाड़ू का दान करें। यदि आपके घर के आसपास कहीं महालक्ष्मी का मंदिर हो तो वहां गुलाब की सुगंध वाली अगरबत्ती का दान करें।

यदि संभव हो सके तो किसी किन्नर से उसकी खुशी से एक रुपया लें और इस सिक्के को अपने पर्स में रखें। बरकत बनी रहेगी।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में घर से निकलते ही यदि कोई सुहागन स्त्री लाल रंग की पारंपरिक ड्रेस में दिख जाए तो समझ लें आप पर महालक्ष्मी की कृपा होने वाली है। यह एक शुभ शकुन है। ऐसा होने पर किसी जरूरतमंद सुहागन स्त्री को सुहाग की सामग्री दान करें।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी और कुबेर देव का पूजन करें और यहां दिए एक मंत्र का जप कम से कम 108 बार करें।

मंत्र: ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रववाय, धन-धान्यधिपतये धन-धान्य समृद्धि मम देहि दापय स्वाहा।

महालक्ष्मी के पूजन में गोमती चक्र भी रखना चाहिए। गोमती चक्र भी घर में धन संबंधी लाभ दिलाता है।

रात को सोने से पहले किसी चौराहे पर तेल का दीपक जलाएं और घर लौटकर आ जाएं। ध्यान रखें पीछे पलटकर न देखें।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में अशोक के पेड़ के पत्तों से वंदनद्वार बनाएं और इसे मुख्य दरवाजे पर लगाएं। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाएगी।

किसी शिव मंदिर जाएं और वहां शिवलिंग पर अक्षत यानी चावल चढ़ाएं। ध्यान रहें सभी चावल पूर्ण होने चाहिए। खंडित चावल शिवलिंग पर चढ़ाना नहीं चाहिए।

अपने घर के आसपास किसी पीपल के पेड़ के नीचे तेल का दीपक जलाएं। यह उपाय किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में किया जाना चाहिए। ध्यान रखें दीपक लगाकर चुपचाप अपने घर लौट आए, पीछे पलटकर न देखें।

यदि संभव हो सके तो दीपावली की देर रात तक घर का मुख्य दरवाजा खुला रखें। ऐसा माना जाता है कि दिवाली की रात में महालक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और अपने भक्तों के घर जाती हैं।

महालक्ष्मी के पूजन में पीली कौडिय़ा भी रखनी चाहिए। ये कौडिय़ा पूजन में रखने से महालक्ष्मी बहुत ही जल्द प्रसन्न होती हैं। आपकी धन संबंधी सभी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन के साथ ही अपनी दुकान, कम्प्यूटर आदि ऐसी चीजों की भी पूजा करें, जो आपकी कमाई का साधन हैं।

लक्ष्मी पूजन के समय एक नारियल लें और उस पर अक्षत, कुमकुम, पुष्प आदि अर्पित करें और उसे भी पूजा में रखें।

पीपल के 11 पत्ते तोड़ें और उन श्रीराम का नाम लिखें। राम नाम लिखने के लिए चंदन का उपयोग किया जा सकता है। यह का पीपल के नीचे बैठकर करेंगे तो जल्दी शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। राम नाम लिखने के बाद इन पत्तों की माला बनाएं और हनुमानजी को अर्पित करें।

प्रथम पूज्य श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें। दूर्वा की 21 गांठ गणेशजी को चढ़ाने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में यह उपाय करने से गणेशजी के साथ महालक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती है

प्रतिदिन सुबह घर से निकलने से पहले केसर का तिलक लगाएं। ऐसा हर रोज करें, महालक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी।

यदि संभव हो सके तो किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में किसी गरीब व्यक्ति को काले कंबल का दान करें। ऐसा करने पर शनि और राहु-केतु के दोष शांत होंगे और कार्यों में आ रही रुकावटें दूर हो जाएंगी।

महालक्ष्मी के पूजन में दक्षिणावर्ती शंख भी रखना चाहिए। यह शंख महालक्ष्मी को अतिप्रिय है। इसकी पूजा करने पर घर में सुख-शांति का वास होता है।

महालक्ष्मी के चित्र का पूजन करें, जिसमें लक्ष्मी अपने स्वामी भगवान विष्णु के पैरों के पास बैठी हैं। ऐसे चित्र का पूजन करने पर देवी बहुत जल्द प्रसन्न होती हैं।

घर में हमेशा शांति बनाए रखें। किसी भी प्रकार का क्लेश, वाद-विवाद न करें। जिस घर में शांति रहती है वहां देवी लक्ष्मी हमेशा निवास करती हैं।

स्नान के बाद अच्छे वस्त्र धारण करें और सूर्य को जल अर्पित करें। जल अर्पित करने के साथ ही लाल पुष्प भी चढ़ाएं।

किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद व्यक्ति को अनाज का दान करें। अनाज के साथ ही वस्त्र का दान करना भी श्रेष्ठ रहता है।

महालक्ष्मी के मंत्र: ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद् श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मयै नम: इस मंत्र का जप करें। मंत्र जप के लिए कमल के गट्टे की माला का उपयोग करें। किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में कम से कम 108 बार इस मंत्र का जप करें।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में श्रीयंत्र के सामने अगरबत्ती व दीपक लगाकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके कुश के आसन पर बैठें। फिर श्रीयंत्र का पूजन करें और कमलगट्टे की माला से महालक्ष्मी के मंत्र: ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद् श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मयै नम: का जप करें।

घर के मुख्य द्वार पर कुमकुम से स्वस्तिक का चिह्न बनाएं। द्वार के दोनों ओर कुमकुम से ही शुभ-लाभ लिखें।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में श्वेतार्क गणेश प्रतिमा घर में लाएंगे तो हमेशा बरकत बनी रहेगी। परिवार के सदस्यों को पैसों की कमी नहीं आएगी।

यदि संभव हो सके तो इस दिन किसी तालाब या नदी में मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर खिलाएं। शास्त्रों के अनुसार इस पुण्य कर्म से बड़े-बड़े संकट भी दूर हो जाते हैं।

घर में स्थित तुलसी के पौधे के पास रात में दीपक जलाएं। तुलसी को वस्त्र अर्पित करें।

स्फटिक से बना श्रीयंत्र किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में बाजार से खरीदकर लाएं। श्रीयंत्र को लाल वस्त्र में लपेटकर तिजोरी में रखें। कभी भी पैसों की कमी नहीं होगी।

प्रतिदिन सुबह-सुबह शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल अर्पित करें। जल में यदि केसर भी डालेंगे तो श्रेष्ठ रहेगा।

जो लोग धन का संचय बढ़ाना चाहते हैं उन्हें तिजोरी में लाल कपड़ा बिछाना चाहिए। इसके प्रभाव से धन का संचय बढ़ता है।

एक उपाय के अनुसार किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में 3 अभिमंत्रित गोमती चक्र, 3 पीली कौडिय़ां और 3 हल्दी गांठों को एक पीले कपड़ें में बांधें। इसके बाद इस पोटली को तिजोरी में रखें। धन लाभ होने लगेगा।

यदि धन संबंधियों परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में हनुमानजी का यह उपाय करें।

उपाय के अनुसार किसी पीपल के वृक्ष एक पत्ता तोड़ें। उस पत्ते पर कुमकुम या चंदन से श्रीराम का लिखें। इसके बाद पत्ते पर मिठाई रखें और यह हनुमानजी को अर्पित करें। इस उपाय से भी धन लाभ होता है।

एक बात का विशेष ध्यान रखें कि माह की हर अमावस्या पर पूरे घर की अच्छी तरह से साफ-सफाई की जानी चाहिए। साफ-सफाई के बाद घर में धूप-दीप-ध्यान करें। इससे घर का वातावरण पवित्र और बरकत देने वाला बना रहेगा।

सप्ताह में एक बार किसी जरूरतमंद सुहागिन स्त्री को सुहाग का सामना दान करें। इस उपाय से देवी लक्ष्मी तुरंत ही प्रसन्न होती हैं और धन संबंधी परेशानियों को दूर करती हैं। ध्यान रखें यह उपाय नियमित रूप से हर सप्ताह करना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में किसी पीपल के वृक्ष के नीचे छोटा सा शिवलिंग स्थापित करता है तो उसकी जीवन में कभी भी कोई परेशानियां नहीं आएंगी। यदि कोई भयंकर परेशानियां चल रही होंगी वे भी दूर हो जाएंगी। पीपल के नीचे शिवलिंग स्थापित करके उसकी नियमित पूजा भी करनी चाहिए। इस उपाय से गरीब व्यक्ति भी धीरे-धीरे मालामाल हो जाता है।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी का पूजन करने के लिए स्थिर लग्न श्रेष्ठ माना जाता है। इस लग्न में पूजा करने पर महालक्ष्मी स्थाई रूप से घर में निवास करती हैं।

पूजा में लक्ष्मी यंत्र, कुबेर यंत्र और श्रीयंत्र रखना चाहिए। यदि स्फटिक का श्रीयंत्र हो तो सर्वश्रेष्ठ रहता है। एकाक्षी नारियल, दक्षिणावर्त शंख, हत्थाजोड़ी की भी पूजा करनी चाहिए।

कलयुग में हनुमानजी शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता माने गए हैं। इनकी कृपा प्राप्त करने के लिए कई प्रकार उपाय बताए गए हैं। यदि पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया जाए तो यह चमत्कारी फल प्रदान करने वाला उपाय है।

महालक्ष्मी को तुलसी के पत्ते भी चढ़ाने चाहिए। लक्ष्मी पूजा में दीपक दाएं, अगरबत्ती बाएं, पुष्य सामने व नैवेद्य थाली में दक्षिण में रखना श्रेष्ठ रहता है।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन के बाद घर के सभी कमरों में शंख और घंटी बजाना चाहिए। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा और दरिद्रता बाहर चली जाती है। मां लक्ष्मी घर में आती हैं।

किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में श्रीसूक्त एवं कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। रामरक्षा स्तोत्र या हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ भी किया जा सकता है।

- कभी भी किसी भी बुजुर्ग इंसान का अपमान नहीं करना चाहिए और किसी भी श्रेष्ठ मुहूर्त में विशेष रूप से उनके चरण स्पर्श करके आशिर्वाद ग्रहण करें। ऐसा करने पर बड़ी-बड़ी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

शनि दोषों से मुक्ति के लिए तो पीपल के वृक्ष के उपाय रामबाण हैं। शनि की साढ़ेसाती और ढय्या के बुरे प्रभावों को नष्ट करने के लिए पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ाकर सात परिक्रमा करनी चाहिए। इसके साथ ही शाम के समय पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक भी लगाना चाहिए।